

---

# Shri Dattatreya Uttaramala Mantrah

श्रीदत्तात्रेय उत्तरमालामन्त्रः

## Document Information

---

Text title : Dattatreya Uttara Mala Mantra

File name : dattAtreyauttaramAlAmantraH.itx

Category : deities\_misc, dattAtreya, mAlAmantra

Location : doc\_deities\_misc

Description/comments : Part 2 of the Malamantra, See part 1 pUrvamAlAmantraH

Latest update : October 17, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Dattatreya Uttaramala Mantrah

---

### श्रीदत्तात्रेय उत्तरमालामन्त्रः

---



अस्य श्रीदत्तात्रेयमालामन्त्रस्य सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप्छन्दः,  
श्रीदत्तात्रेयो देवता, ओमिति बीजं, स्वाहेति शक्तिः, द्रामिति कीलकं,  
श्रीगुरुदत्तात्रेयप्रसादसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ॥

अथ करन्यासः ।

ॐ द्रां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ।

ॐ द्रीं तर्जनीभ्यां नमः ।

ॐ द्रूं मध्यमाभ्यां नमः ।

ॐ द्रैं अनामिकाभ्यां नमः ।

ॐ द्रौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ।

ॐ द्रः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ॥

अथ लृट्यादिन्यासः ।

ॐ द्रां लृट्याय नमः ।

ॐ द्रीं शिरसे स्वाहा ।

ॐ द्रूं शिष्यायै वषट् ।

ॐ द्रैं कवचाय हुं ।

ॐ द्रौं नेत्रत्रयाय वौषट् ।

ॐ द्रः अस्त्राय हृट् ।

ॐ भूर्भुवःस्वरोमिति टिग्बन्धः ॥

धानं -

काशी कोल्हा माळुरी सख्यकेषु

स्नात्वा जप्त्वा प्राश्य शेतेन्वहं यः ।

दत्तात्रेयस्तक्षणात्सर्तुगामी

त्यागी भोगी दिव्ययोगी ध्यातुः ॥

मूल मन्त्रः -

ओं, आं, ह्रीं, क्लं, ऐं, क्लीं, सौः, श्रीं, ग्लौं, द्रां,

ॐ नमो भगवते दत्तात्रेयाय

स्मरणमात्र सन्तुष्टाय

महाभय निवारणाय

महाज्ञानप्रदाय

सख्यिदानन्दात्मने

बालोन्मत्त पिशाच्य वेषाय

महायोगिने

अवधूताय

अनसूयानन्द वर्धनाय

अत्रिपुत्राय

सर्वकाम फलप्रदाय

ॐ भवबन्धविमोचनाय

आं असाध्यसाधनाय

ह्रीं सर्व विभूतिदाय

क्लं असाध्याकर्षणाय

ऐं वाक्यप्रदाय

क्लीं जगत् वशीकरणाय

सौः सर्व मनक्षोभाणाय

श्रीं महासम्पत् प्रदाय

ग्लौं भूमिदण्डाधिपत्य प्रदाय

द्रां चिरञ्छुविने

वषट् वशीकुरु वशीकुरु

वौषट् आकर्षयाकर्षय

हुं विद्वेषय विद्वेषय

कुट् उख्याटयोख्याटय

ठः ठः स्तम्भय स्तम्भय

भे भे मारय मारय

नमः सम्पन्नाय सम्पन्नाय स्वाहा

पोषय पोषय

परमन्त्र परयन्त्र परतन्त्राणि छिन्दि छिन्दि

ग्रहान् निवारय निवारय  
व्याधीन् विनाशय विनाशय  
दुःखं हरय हरय  
दारिद्र्यं विद्रावय विद्रावय  
दुःखं पोषय पोषय  
शित्तं तोषय तोषय  
सर्वमन्त्रस्वरूपाय  
सर्वयन्त्रस्वरूपाय  
सर्वतन्त्रस्वरूपाय  
सर्वपल्लवस्वरूपाय  
ॐ नमो महा सिद्धाय स्वाहा ॥

इति श्रीदत्तात्रेय उत्तरमालामन्त्रः सम्पूर्णः ।

Proofread by Chandrasekhar Karumuri

---

*Shri Dattatreya Uttaramala Mantrah*

pdf was typeset on October 17, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

